वर्ष-2023

32 PAGES ANSWER BOOK

विषय Subject: विज्ञान

विषय कोड Subject Code: 200

परीक्षा की दिनांक / Date of Exam: 20 03 23

उत्तर देने का माध्यम Medium of answering the paper: हिंदी

प्रश्न पत्र का सेट Set of the Question paper: A

गोले भरने हेतु उदाहरण :– सही तरीका :– गलत तरीका :–

नोट :– इस शीट को भरने के पूर्व इस पृष्ठ के नीचे दिए गए उदाहरण को देखें।

कार्यालय उपयोग के लिए

ID NO. 2021007
SUB. 200 - SCIENCE
Med. HINDI
Bag. 32001428
pkt. 5

केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कुल प्राप्तांक शब्दों में | कुल प्राप्तांक अंकों में

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
	परीक्षक क्र.3410055 सावित्री सिंह (मा.शि.) शास.उच्च.मा.वि.पिनौरा मो.8989818353

Previous PathShala

2

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 1

(i) (ब) ऊष्माक्षेपी अभिक्रिया ।

(ii) (स) भंगुरता ।

(iii) (अ) उपचयन

(iv) (स) द्विखण्डन

(v) (द) अनन्त

(vi) (स) ओह्म

(vii) (स) मोटर

(viii) (द) सर्वाहारी

Oddy
Laser, Inkjet & Copier Label ST-16 A4 99.1mm x 33.9mm x 16
Previous Pathshala

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 2

(i) एसीटिक अम्ल

(ii) मिश्रातु मिश्रधातु

(iii) वृषण

(iv) परागण

(v) प्र गुणसूत्र

(vi) प्रकाश

(vii) बैंगनी

Previous Pathshala

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 3

(अ)		(ब)
(i) प्रबल अम्ल	—	(e) HCl
(ii) धातु	—	(g) सुचालक
(iii) जाइलम	—	(a) जल परिवहन
(iv) मास्टर ग्रंथि	—	(b) पियुष
(v) मादा हार्मोन	—	(f) एस्ट्रोजन
(vi) मेण्डल	—	(h) अनुवांशिकी के नियम
(vii) सरल रेखीयपथ	—	(c) प्रकाश किरण
(viii) विभवान्तर	—	(d) वोल्ट

B
S
E

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 5

i) द्विविस्थापन अभिक्रिया

ii) अग्रमस्तिष्क

iii) गर्भाशय

iv) 1 डाइऑप्टर

v) लाल रंग की किरणें सबसे अधिक तरंगदैर्ध्य होती है।

746 वाट

Previous Pathshala

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र

विद्युत फ्यूज

प्रश्नोत्तर क्रमांक- 5

→ संक्षारण - जब कोई धातु अपने आस पास अम्ल आर्द्रता के संपर्क मे आती है तब ये संक्षारित होती है, इसे संक्षारण कहतें हैं।

→ उदाहरण - चांदी के ऊपर काली पर्त, तांबे के ऊपर हरी पर्त जमना संक्षारण के उदाहरण हैं।

प्रश्नोत्तर क्रमांक- 6

आघातवर्ध्यता - धातुओं को पीटकर पतली चादर बनाया जा सकता है, इसे आघातवर्ध्यता कहतें हैं।

→ तन्यता - धातुओं को पतले तार के रूप में खींचनें की क्षमता को तन्यता कहा जाता है।

P S E
Previous Pathshala

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्रमांक-7

→ संतृप्त हाइड्रोकार्बन - एल्केन C_nH_{2n+2}

→ असंतृप्त हाइड्रोकार्बन- बेन्जीन C_6H_6

प्रश्नोत्तर क्रमांक-8 (अथवा)

→ विषमपोषी पोषण - विषमपोषी पोषण में जीव स्वपोषी जीवों द्वारा बनाए गए भोजन को ग्रहण करता है, विषमपोषी जीव पूर्ण रूप से भोजन के लिए स्वपोषी जीवों पर निर्भर करता है। इसे विषमपोषी पोषण कहते हैं।

→ उदाहरण- मानव, गाय अन्य प्रकार के जीव आदि ।

BSE

Previous Pathshala

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्रमांक- 9

→ पुनरुद्भवन - शरीर के नवनिर्माण की वह प्रक्रिया जिसमें शरीर के टुकड़े शरीर से अलग हो जाते हैं और वे टुकड़े विकसित होकर एक नया जीव बनाते हैं, इस प्रक्रिया को पुनरुद्भवन (पुनर्जनन) कहते हैं।

प्लेनेरिया में पुनरुद्भवन

प्रश्नोत्तर क्रमांक- 10

मनुष्य में 46 गुणसूत्र होतें हैं महिला और पुरुष में 22 जोड़े गुणसूत्र समान होतें हैं, लेकिन एक जोड़ा 23वां गुणसूत्र जो कि लिंग गुणसूत्र कहलाता है वह पुरुष में XY एवं महिला में XX होता है।

B'
S
E

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 11 (अथवा)

→ अवतल दर्पण के दो उपयोग निम्न-लिखित हैं -

→ (i) टार्च, सर्चलाइट तथा वाहनों के अग्रदीपों में अवतल दर्पण का प्रयोग किया जाता है।

(ii) डॉक्टर, शल्य ~~चिकित्सि~~ चिकित्सक द्वारा नाक, कान, आँख का बड़ा प्रतिबिम्ब देखने के लिए अवतल दर्पण का प्रयोग किया जाता है।

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 12 (अथवा)

समतल दर्पण पर आपतित किरण 30° का आपतन कोण बनाती है, तब परावर्तन के प्रथम नियम के अनुसार परावर्तन कोण का मान भी 30° होगा।

क्योंकि परावर्तन के प्रथम नियमानुसार आपतन कोण का मान परावर्तन कोण के बराबर होता है।

अतः परावर्तन कोण का मान 30° होगा।

BSE

Previous Pathshala

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 13

→ विद्युत धारा - आवेश प्रवाह की दर को विद्युत धारा कहते हैं।

→ विद्युत धारा (I) का S.I. मात्रक ऐम्पियर (A) है।

विद्युत धारा (I) = $\frac{Q}{T}$ $\left(\frac{\text{आवेश}}{\text{समय}}\right)$

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 14 (अथवा)

→ विद्युत परिपथ में खराब तथा क्षतिग्रस्त तार आपस में मिल जाते हैं, जिससे परिपथ का प्रतिरोध लगभग शून्य हो जाता है, तथा विद्युत धारा का मान अत्यधिक बढ़ जाता है, इस प्रकार विद्युत परिपथ में लघुपथन होता है।

BSE

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 15 (अथवा)

→ यांत्रिक उर्जा को विद्युत उर्जा में बदलने वाली युक्ति को विद्युत जनित्र कहते हैं।

विद्युत जनित्र वैद्युत चुंबकीय प्रेरण की परिघटना पर आधारित होता है।

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 16 (अथवा)

→ सर्वाहारी प्राणी - सर्वाहारी प्राणी जो जन्तु उत्पाद एवं पादप उत्पाद दोनों का पोषण के रूप में इस्तेमाल (प्रयोग) करता है, सर्वाहारी प्राणी कहलाता है।

→ उदाहरण - मनुष्य, कुत्ता, चील

ये सर्वाहारी प्राणी हैं।

Previous Pathshala

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 17

→ अवक्षेपण अभिक्रिया - ऐसी रासायनिक अभिक्रिया जिसमें अविलेय (बिना मिला हुआ) अवक्षेप का निर्माण होता है, अवक्षेपण अभिक्रिया कहलाती है।

→ उदाहरण -

$Na_2SO_4(aq) + BaCl_2(aq) \rightarrow BaSO_4(S) + 2NaCl(aq)$

(सोडियम सल्फेट) (बेरियम क्लोराइड) (बेरियम सल्फेट) (सोडियम क्लोराइड)

BSE

Previous Pathshala

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 18

मानव मस्तिष्क के तीन कार्य निम्न हैं -

(i) मस्तिष्क तन्त्रिका तन्त्र के अन्य शेष भागों पर नियंत्रण रखता है, सभी ऐच्छिक क्रियाओं का नियंत्रण किया जाता है यह मस्तिष्क के भाग प्रमस्तिष्क द्वारा होता है।

(ii) मस्तिष्क जननांग तथा, अन्तः स्त्रावी ग्रंथियों, हृदय आदि की क्रियाओं पर नियंत्रण रखता है।

(iii) मानव मस्तिष्क द्वारा सूचनाओं को ग्रहण किया जाता है, मस्तिष्क में स्थित भाग द्वारा अनैच्छिक क्रियाओं का भी नियंत्रण किया जाता है यह मेडुला आब्लांगेटा जो कि मस्तिष्क में स्थित होता है, यह कार्य करता है।

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 19

→ वर्ण विक्षेपण - वह प्रकाशीय घटना जिसके फलस्वरूप प्रकाश के विभिन्न अवयवी रंगों के लिए विभिन्न विचलन कोण होने के कारण श्वेत प्रकाश विभिन्न रंगों मे विभक्त हो जाता है, वर्ण विक्षेपण कहलाता है।

→

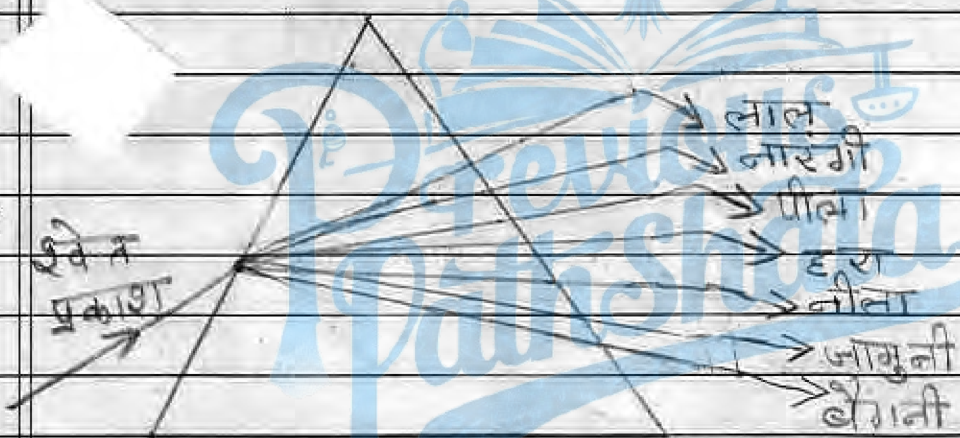

श्वेत प्रकाश का विभिन्न रंगों में विक्षेपण

सूर्य का श्वेत प्रकाश सात अवयवी रंगों में विभक्त हो जाता है इसे VIBGYOR कहा जाता है।

पृष्ठ 13 के अंक कुल अंक
BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्रमांक -20 (अथवा)

(i) बेकिंग सोडा - (i) यह एन्टेसिड का संघटक है, पेट में अम्ल की अधिकता अधिक होने पर क्षारीय करके राहत पहुंचाता है।

(ii) इसका उपयोग सोडा अम्ल अग्निशामक में भी किया जाता है।

(ii) विरंजक चूर्ण - (i) रासायनिक उद्योगों में उपचायक के रूप में इसका प्रयोग किया जाता है।

(ii) दूषित जल को जीवाणु मुक्त करने के लिए प्रयोग किया जाता है।

(iii) प्लास्टर ऑफ पेरिस - (i) टूटी हुई हड्डियों को जोड़ने के लिए किया जाता है।

(ii) डॉक्टरों द्वारा रेतप्लास्टर के रूप में इसका उपयोग किया जाता है।

(iv) धोने का सोडा -

(i) धोने का सोडा का उपयोग घरों में साफ-सफाई के लिए किया जाता है।

(ii) इसका उपयोग बोरेक्स जैसे सोडियम यौगिक के उत्पादन में किया जाता है।

BSE

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्रमांक-21

7 एल्केन सजातीय श्रेणी के चार सदस्यों के नाम, अणुसूत्र एवं संरचना सूत्र निम्नलिखित हैं-

	नाम	अणुसूत्र	संरचना
(i)	मेथेन	CH_4	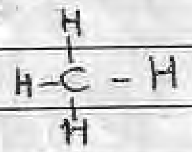
(ii)	एथेन	C_2H_6	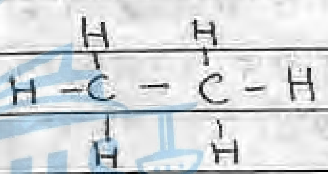
(iii)	प्रोपेन	C_3H_8	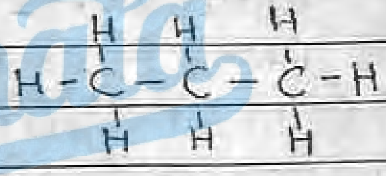
(iv)	ब्यूटेन	C_4H_{10}	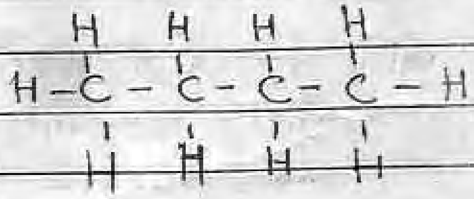

BSE Previous Pathshala

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्रमांक- 22 (अथवा)

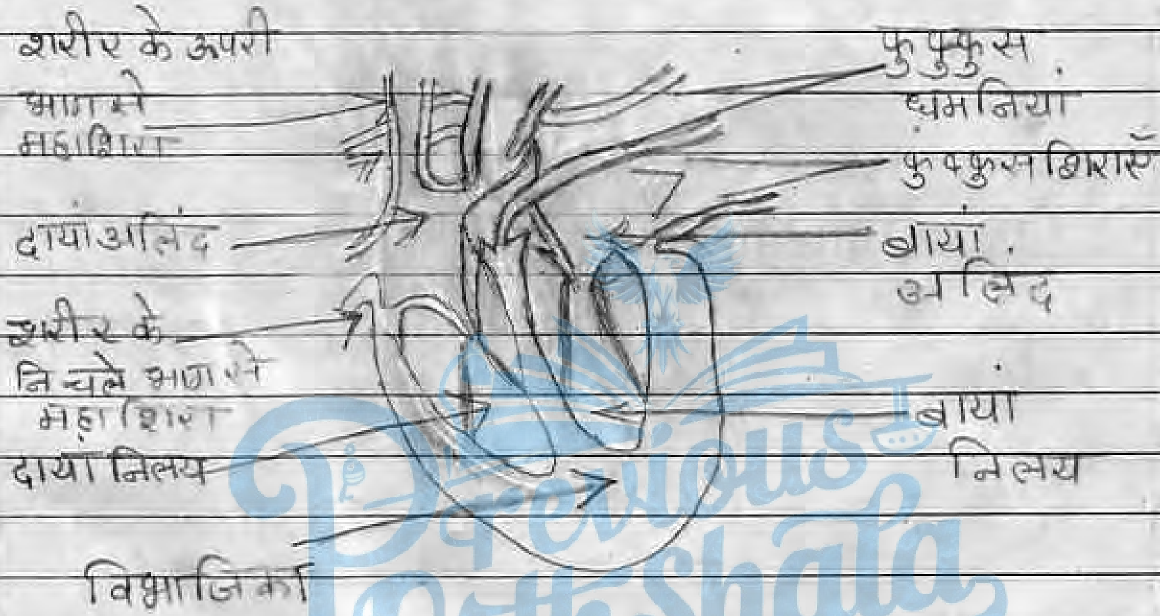

मानव हृदय

BSE
Previous Pathshala